भा.कृ.अनु.प. – भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, प्रशिक्षण एवं शिक्षण केंद्र, पुणे में हिन्दी पखवाड़ा - 2024 का आयोजन।

प्रशिक्षण एवं शिक्षण केंद्र, पुणे में हिंदी भाषा के व्यापक उपयोग और महत्व को बढ़ावा देने के लिए 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ 20 सितंबर 2024 को दोपहर 3 बजे केंद्र के कॉन्फ्रेंस रूम में किया गया। इस विशेष अवसर पर केंद्र के प्रभारी, डॉ. हरी प्रसाद ऐथल ने एक प्रेरणादायक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने हिंदी की बढ़ती महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर, हमारे विचारों और मूल्यों का आधार है। डॉ. ऐथल ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा का व्यापक उपयोग न केवल हमारे दैनिक जीवन को सरल और प्रभावी बनाता है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता और समृद्धि को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हिंदी भाषा का सम्मान और उसका प्रचार-प्रसार हमारी सांस्कृतिक पहचान को सहेजने और उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण साधन है।

(हिन्दी पखवाड़ा 2024 अंतर्गत के समापन समारंभ दौरान डॉ॰ हरी प्रसाद ऐथल, केंद्र प्रभारी)

उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी का उपयोग केवल व्यक्तिगत संवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी कार्यों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और तकनीकी क्षेत्रों में भी तेजी से अपनी जगह बना रही है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे हिंदी का अधिकतम उपयोग करें, ताकि यह न केवल संवाद का माध्यम बने बल्कि आधिकारिक कार्यों में भी इसका योगदान बढ़े। इस आयोजन के माध्यम से, केंद्र ने

न केवल हिंदी के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वाह किया, बल्कि एक सशक्त और संगठित भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हिंदी भाषा के इस समर्थन से हम अपनी समृद्ध विरासत को सहेजते हुए एकता, प्रगति और विकास की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकते हैं।

इस अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. के. दास; डॉ. संघरत्न बहिरे, वैज्ञानिक; और श्रीमती मनीषा नाईकवाड़े, लैब टेक्नीशियन की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमोल भालेराव, वैज्ञानिक एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी के प्रयोग को आधिकारिक कार्यों में बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. भालेराव ने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का उपयोग करें, ताकि हमारी राष्ट्रीय और सांस्कृतिक धरोहर सुरक्षित रह सके और इसे आने वाली पीढ़ियों तक संरक्षित किया जा सके।

(हिन्दी पखवाड़ा 2024 अंतर्गत के समापन समारंभ दौरान प्रमाणपत्र वितरण)

हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर, केंद्र में कई उत्साहजनक और ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनका मुख्य उद्देश्य हिन्दी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसका प्रयोग बढ़ाना था। इन प्रतियोगिताओं में "हिन्दी अनुवाद," "हिन्दी श्रुतलेख," "टिप्पण आलेखन," "प्रश्नोत्तरी," "आशु-भाषण," और "हिन्दी निबंध लेखन" जैसी विविध श्रेणियों में कार्यक्रम शामिल थे।

इन सभी प्रतियोगिताओं में केंद्र के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी भाषा-सम्बंधित प्रतिभा और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन कार्यक्रमों की विशेषता यह रही कि पुणे के आईसीएआर अटारी, आईसीएआर डीएएफआर, और कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक स्टाफ और विद्यार्थियों ने भी

सक्रिय रूप से भाग लिया। उनके सहयोग और सहभागिता ने इस आयोजन को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने न केवल हिंदी भाषा का व्यावहारिक उपयोग सीखा बल्कि इसके महत्व और इसकी शक्ति को भी महसूस किया।

(हिन्दी पखवाड़ा 2024 अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता के छायाचित्र)

इस प्रतियोगिता श्रृंखला का समापन 27 सितंबर 2023 को किया गया, जब सभी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए और विजेताओं को सम्मानित किया गया। पारितोषिक वितरण समारोह ने समूचे आयोजन में उल्लास और गर्व का माहौल उत्पन्न किया। इसके साथ ही, हिन्दी पखवाड़ा - 2024 का समापन हुआ, जिसमें केंद्र ने हिन्दी भाषा के प्रसार और प्रोत्साहन का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया।

यह आयोजन हमें याद दिलाता है कि अपनी राजभाषा का सम्मान और उसके प्रयोग को बढ़ावा देना न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने का एक तरीका है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की एकता और विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। हिन्दी को आधिकारिक और व्यावसायिक कार्यों में अपनाने से हमारे कार्यकुशलता में वृद्धि होगी और हम अपनी राजभाषा को और समृद्ध बना सकेंगे।